भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3833 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत दिव्यांगजन और वरिष्ठ यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाएं

3833. डॉ. राजीव भारद्वाज:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के प्रस्तावित पुनर्विकास में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए कोई उपाय किए गए हैं/किए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार द्वारा उन स्टेशनों को ऊर्जा दक्ष बनाने के लिए कोई कार्य योजना तैयार की गई है जिनका उक्त योजना के अंतर्गत पुनर्विकास किए जाने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल भारत सरकार के "सुगम्य भारत मिशन" अथवा 'सुगम्य भारत अभियान' के भाग के रूप में विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजनों) और कम गतिशील यात्रियों के लिए अपने रेलवे स्टेशनों को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुपालन में, "विभिन्न दिव्यांगजनों और कम गतिशील यात्रियों के लिए भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों की सुगम्यता और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं संबंधी दिशानिर्देश" परिपत्रित और भारत के राजपत्र में अधिसूचित किए गए थे। इन दिशानिर्देशों में

दिव्यांगजनों से संबंधित सुविधाओं जैसे प्रवेश रैम्प, सुगम्य पार्किंग, कम ऊंचाई वाले टिकट खिड़की/सहायता बूथ, शौचालय, पेयजल बूथ, रैम्प/लिफ्टों के साथ सब-वे/फुट ओवर ब्रिज, ब्रेल साइनेज सहित मानक प्रदर्श-व्यवस्था और दृष्टि अशक्त लोगों के लिए स्पर्श्य आदि की व्यवस्थाएं शामिल हैं।

रेल मंत्रालय द्वारा भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की गई है। अभी तक, इस योजना के अंतर्गत 1337 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए मास्टर प्लान तैयार करना और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं, जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म सरफेसिंग और प्लेटफॉर्म कवर करना, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट', जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि में सुधार लाने के लिए उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि के दौरान स्टेशन इमारत में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों और कम गतिशील यात्रियों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार और स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की संकल्पना की गई है।

इसके अलावा, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधाओं सहित स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का प्रावधान/उन्नयन करना सतत् एवं गतिशील प्रक्रिया है और इस संबंध में आवश्यकतानुसार कार्य किए जाते हैं जो कि सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

*****